Seventeenth Loksabha

>

Title: Demand to create Narayani Sena Regiment and include it in Indian army.

श्री निशीथ प्रामाणिक (कूचबिहार): अध्यक्ष महोदय, आज सदन में लंबे समय से विलंबित एक मुद्दे को उठाना चाहता हूं । यह सिर्फ एक मुद्दा नहीं है, यह जरूरत है । इससे कई वर्षों तक राजवंशी लोगों को वंचित रखा गया है ।

28 अगस्त, 1949 लेफ्टिनेन्ट कर्नल हिज हाइनेस महाराजा सर जगत दीपेन्द्र नारायण भूप बहादुर एवं तत्कालीन राज्य मंत्रालय के मंत्री वी.पी.मेनन के बीच कूच बिहार का भारत में मिलन के बारे में राजीनामा हुआ था । मिलन के समय कूच बिहार के गौरव के प्रतीक महाराजा की नारायणी सेना को भारतीय सेना में शामिल करने की बात की गई थी । कूच बिहार के पास तत्कालीन सेना के मूल स्वरूप को न बदलते हुए भारतीय सेना में शामिल किए जाने की बात हुई थी, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बाद भी संधि के समय किए गए वादे को पूरा नहीं किया गया । मेरी मांग में कुछ नया नहीं है, जो उस समय वादा किया गया था, मैं उसको अमल में लाने की मांग कर रहा हूं ।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार के रक्षा मंत्री जी से विनम्र निवेदन है कि जल्द से जल्द नारायणी सेना रेजीमेंट की प्रक्रिया शुरू के जाए और बंगाल के सभी युवा को धर्म और जात-पात को भूलकर शामिल होने का मौका दिया जाए ।

बंगाल में काफी युवा बेरोजगार है । अगर नारायणी सेना को चालू किया जाए तो युवा को रोजगार के साथ-साथ भारतीय सेना को भी एक मजबूत रेजीमेंट मिलेगी और बंगाल को भी एक नया रेजीमेंट मिलेगा ।

इसको सिर्फ एक रोजगार के मुद्दे से मत देखिए, इसके माध्यम से एक बंग इतिहास और कूच बिहार तथा समग्र राजवंशी सम्प्रदाय को आपस में जोड़ने का काम करेगी । आपके माध्यम से रक्षा मंत्री जी से विनम्र निवेदन है कि जल्द से

जल्द नारायणी सेना रेजीमेंट को लेकर उचित और आशा के अनुरूप कदम उठाया जाए ।

माननीय अध्यक्ष: श्री कृपानाथ मल्लाह, डॉ. राजदीप राय, श्री तापिर गाव, और श्री पल्लब लोचन दास को श्री निशीथ प्रामाणिक द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।